आईआईटी रुड़की ने खोजा अनोखा एंटीबैक्टीरियल मॉलक्यूल

चर्चा में क्यों?

11 मार्च, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के रुड़की स्थित आईआईटी के शोधकर्त्ताओं ने एक ऐसा एंटीबैक्टीरियल मॉलक्यूल खोज निकाला है, जो दवाओं के साथ इस्तेमाल किये जाने पर न केवल स्टैफिलोकोकस ऑरियस और स्यूडोमोनास एरुगिनोसा बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण को रोकेगा, बल्कि दवाओं के प्रतिरोध को भी खत्म करेगा।

प्रमुख बिंदु

- संस्थान ने इस मॉलक्यूल को आईआईटीआर 00693 नाम दिया है। आईआईटी रुड़की के इस शोध का निष्कर्ष प्रतिष्ठित अमेरिकन केमिकल सोसाइटी जर्नल एसीएस इंफेक्शियस डिजीजेज में प्रकाशित हुआ है।
- शोध करने वाली टीम में ऋषिकेश एम्स के आशीष कोठारी और बलराम उमर के अलावा चंडीगढ़ के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की वर्षा गुप्ता भी शामिल हैं। आईआईटी रुड़की के महक सैनी और अमित गौरव भी टीम का हिस्सा हैं।
- शोध टीम का नेतृत्व करने वाली आईआईटी रुड़की के बायो साइंसेस और बायो इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर रंजना पठानिया ने बताया कि अब अणु को एक व्यवहार चिकित्सीय एजेंट के रूप में विकसित करने के लिये काम कर रहे हैं। जल्द ही इसका क्लीनिकल ट्रायल शुरू किया जा सकता है।
- आईआईटी के इस नए मॉलक्यूल का ग्राम-पॉजिटिव और निगेटिव बैक्टीरिया पर भी प्रभावी असर होगा। फेफड़ों, आँतों, जोड़ों और त्वचा के संक्रमण के अलावा जलने की अवस्था में फैलने वाले संक्रमण में भी यह मॉलक्यूल अन्य एंटीबैक्टीरियल दवाओं के साथ दिये जाने पर बेहतर परिणाम देगा।
- इस नए मॉलक्यूल से शरीर के नाजुक अंगों और त्वचा में होने वाले घातक संक्रमण के ईलाज़ के दौरान दवा के प्रतिरोध को जल्द ही खत्म किया जा सकेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/iit-roorkee-discovered-unique-antibacterial-molecule